जल शक्ति अभियान, तमिलनाडु: राज्य की रिपोर्ट की संरचनाएँ

जल संसाधन / पर्यावरण / संघवाद | समाचार संदर्भ: जल शक्ति अभियान (तमिलनाडु) पर लोक सभा उत्तर, 23 जुलाई 2026 | प्रकाशित: 18 अक्टूबर 2026

पृष्ठभूमि और संदर्भ

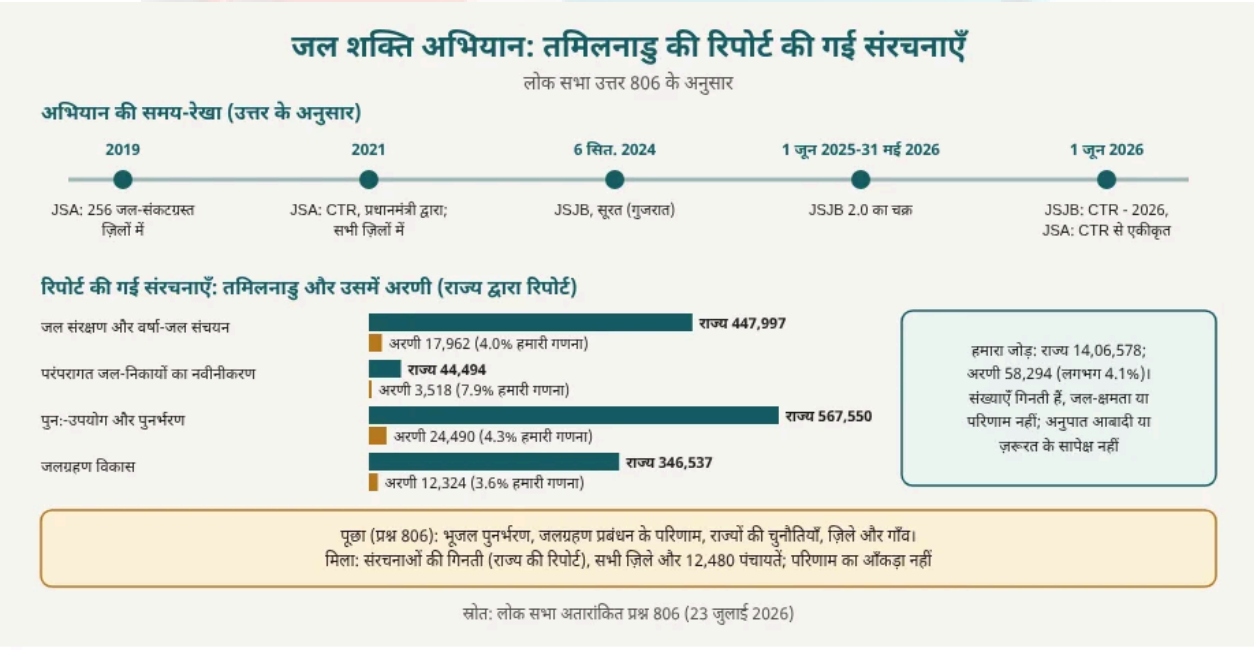
जल शक्ति अभियान (JSA) जल संरक्षण का एक अभियान है। उत्तर के अनुसार इसे जल शक्ति मंत्रालय ने 2019 में देश के 256 जल-संकटग्रस्त ज़िलों में समयबद्ध, मिशन-मोड अभियान के रूप में शुरू किया; 2021 में प्रधानमंत्री ने इसे "जल शक्ति अभियान: कैच द रेन" (JSA: CTR) के रूप में शुरू किया, जिसे फिर देश के सभी ज़िलों (ग्रामीण और शहरी) में लागू किया गया। उत्तर यह भी कहता है कि जल राज्य का विषय है और केंद्र राज्यों के प्रयासों को तकनीकी और वित्तीय सहायता से पूरक करता है।

खबरों में क्यों

23 जुलाई 2026 को जल शक्ति राज्य मंत्री श्री राज भूषण चौधरी ने श्री तरणिवेंथन एम. एस. के लोक सभा अतारांकित प्रश्न 806 का उत्तर दिया। प्रश्न में तमिलनाडु (अरणी लोक सभा क्षेत्र सहित) में अभियान की स्थिति, जल संरक्षण, भूजल पुनर्भरण और जलग्रहण (watershed) प्रबंधन के मुख्य परिणाम, राज्यों की चुनौतियाँ और सामुदायिक भागीदारी के उपाय पूछे गए थे। उत्तर में चार प्रकार की संरचनाओं की गिनती है, जो उत्तर के अनुसार तमिलनाडु सरकार द्वारा "रिपोर्ट" की गई है।

मुख्य अवधारणा: संरचनाओं की गिनती परिणाम नहीं है

उत्तर संरचनाओं की संख्या (जैसे वर्षा-जल संचयन, परंपरागत जल-निकायों का नवीनीकरण, पुनः-उपयोग और पुनर्भरण, जलग्रहण विकास) देता है, और यह "राज्य सरकार द्वारा रिपोर्ट" की गई है। कितना जल संरक्षित हुआ, भूजल कितना बढ़ा या संरचनाएँ आज चालू हैं या नहीं, ये परिणाम और स्थिति के आँकड़े उत्तर में नहीं हैं।



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

मुख्य तथ्य और आंकड़े

तमिलनाडु की रिपोर्ट की गई संरचनाएँ (उत्तर)	**जल संरक्षण और वर्षा-जल संचयन 4,47,997; परंपरागत जल-निकायों का नवीनीकरण 44,494; पुनः-उपयोग और पुनर्भरण 5,67,550; जलग्रहण विकास 3,46,537।**
इनमें अरणी लोक सभा क्षेत्र (उत्तर)	17,962; 3,518; 24,490; 12,324 (उसी क्रम में, राज्य की संख्याओं के "अंतर्गत")।
कवरेज (राज्य द्वारा रिपोर्ट, उत्तर)	सभी ज़िले और 12,480 पंचायतें अभियान के अंतर्गत आरंभ से शामिल।
जल शक्ति केंद्र (उत्तर)	राज्य/केंद्रशासित प्रदेशों से हर ज़िले में केंद्र बनाने का अनुरोध; देश भर में 712 केंद्र स्थापित, जिनमें तमिलनाडु में 38।
जन भागीदारी पहल (उत्तर)	जल संचय जन भागीदारी (JSJB) 6 सितंबर 2024 को सूरत (गुजरात) में शुरू; JSJB 2.0 का चक्र 1 जून 2025 से 31 मई 2026; "JSJB: CTR – 2026" 1 जून 2026 को शुरू और JSA: CTR के साथ एकीकृत।

आँकड़ों की जाँच: जोड़ और अनुपात

हमारा जोड़: तमिलनाडु की चार श्रेणियों का जोड़ 4,47,997 + 44,494 + 5,67,550 + 3,46,537 = 14,06,578 और अरणी की चार श्रेणियों का 17,962 + 3,518 + 24,490 + 12,324 = 58,294 बनता है। उत्तर कोई कुल नहीं देता; दोनों जोड़ हमारी गणना हैं।

अरणी का हिस्सा (हमारी गणना): राज्य की रिपोर्ट की गई संख्या में अरणी का हिस्सा जल संरक्षण और वर्षा-जल संचयन में 4.0%, नवीनीकरण में 7.9%, पुनः-उपयोग और पुनर्भरण में 4.3% और जलग्रहण विकास में 3.6% है; चारों के जोड़ में लगभग 4.1%। यह केवल रिपोर्ट की गई गिनतियों का अनुपात है, किसी क्षेत्र की आबादी, भूभाग या ज़रूरत के सापेक्ष नहीं।

जो तुलनीय नहीं: चारों श्रेणियाँ अलग प्रकृति की संरचनाएँ हैं (एक वर्षा-जल संचयन पिट और एक जलग्रहण संरचना की क्षमता या प्रभाव अलग होता है), इसलिए उनका जोड़ "कुल जल-संरचनाएँ" केवल गिनती है, जल-क्षमता नहीं। उत्तर में वर्ष, लागत, क्षमता या जियो-टैगिंग का कोई ब्योरा नहीं है।

महत्व: अभियान, राज्य-विषय और जवाबदेही

राज्य-विषय और केंद्र की भूमिका: उत्तर बार-बार कहता है कि जल राज्य का विषय है; जल का अध्ययन, योजना, वित्त और क्रियान्वयन राज्य अपने संसाधनों और प्राथमिकताओं से करते हैं, और जागरूकता की ज़िम्मेदारी मुख्यतः राज्य और स्थानीय निकायों की है। केंद्र अभियान चलाकर, जल शक्ति केंद्रों के अनुरोध और राष्ट्रीय जल मिशन के कार्यक्रमों से जन-जागरूकता बढ़ाता है।

जन भागीदारी का ढाँचा: उत्तर के अनुसार राष्ट्रीय जल मिशन ने नेहरू युवा केंद्र संगठन (NYKS) और उसके युवा क्लबों के नेटवर्क के साथ मिलकर ज़मीनी भागीदारी जुटाई, और JSJB में समुदाय, नागरिक संगठन और स्थानीय सरकारें कम लागत वाले, स्थानीय समाधान लागू करती हैं। इन कार्यक्रमों में कितने लोग जुड़े, यह उत्तर में नहीं है।

राज्य का स्वयं-रिपोर्ट: तमिलनाडु ने अभियान को जल संसाधन, ग्रामीण विकास, कृषि और शहरी निकायों जैसे विभागों के समन्वय से सफलतापूर्वक लागू करने की सूचना दी। उत्तर इसे राज्य की सूचना के रूप में ही दर्ज करता है।

चुनौतियाँ और जो उत्तर में नहीं है

पूछा गया, पर नहीं मिला: प्रश्न (b) में जल संरक्षण, भूजल पुनर्भरण और जलग्रहण प्रबंधन के मुख्य परिणाम माँगे गए थे; उत्तर में परिणाम का कोई आँकड़ा (जल-स्तर, पुनर्भरण की मात्रा, संरक्षित जल) नहीं, केवल संरचनाओं की गिनती है। प्रश्न (a) में ज़िलों और गाँवों की संख्या पूछी गई थी; उत्तर में सभी ज़िले और 12,480 पंचायतें हैं, गाँवों की संख्या नहीं। प्रश्न (c) में राज्यों के सामने की चुनौतियाँ माँगी गई थीं; उत्तर कहता है कि जल राज्य का विषय है और तमिलनाडु ने अभियान सफलतापूर्वक लागू करने की सूचना दी, और कोई चुनौती दर्ज नहीं करता।

अनसुलझे बिंदु: संरचनाओं की गिनती की अवधि (उत्तर में नहीं दी गई), इन संरचनाओं का स्वतंत्र सत्यापन, उनका आज का हाल, और तमिलनाडु की "12,480 पंचायतों" का आधार (उत्तर में अन्य किसी पंचायत-कुल से तुलना नहीं की गई है)।

जो हमने नहीं पढ़ा: हमने लोक सभा अतारांकित प्रश्न 806 का आधिकारिक PDF (उत्तर) पूरा पढ़ा। JSA: CTR का पोर्टल, राज्य के दस्तावेज़ और किसी स्वतंत्र मूल्यांकन को नहीं पढ़ा गया।

आगे की राह

इसे 23 जुलाई 2026 तक की दिनांकित सरकारी जानकारी मानें; परिणाम (जल-स्तर, पुनर्भरण) और संरचनाओं के सत्यापन के लिए स्वतंत्र या आधिकारिक मूल्यांकन देखना होगा।

अवधारणा में अंतर

चार बातें अलग रखें: (1) संरचनाओं की गिनती और जल-परिणाम; (2) राज्य की रिपोर्ट और स्वतंत्र सत्यापन; (3) केंद्र का अभियान और राज्य का क्रियान्वयन; (4) उत्तर के आँकड़े और हमारी गणना।

मेंस दृष्टि

GS-III: जल संरक्षण, पर्यावरण; GS-II: संघवाद, जन भागीदारी; GS-I/III: जल-संकट।

UPSC CSE Mains शैली: मौलिक अभ्यास प्रश्न

जल शक्ति अभियान जैसे अभियानों में राज्य द्वारा रिपोर्ट की गई संरचनाओं की संख्या से क्या कहा जा सकता है और क्या नहीं? जल संरक्षण की सफलता आँकने के लिए किन परिणाम-सूचकों की ज़रूरत होगी?

(उत्तर 150 शब्दों में दीजिए) | 10 अंक

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: JSA (2019), CTR (2021) और JSJB (2024 से)।

मुख्य भाग में: जल राज्य-विषय और केंद्र की भूमिका; चार श्रेणियों की रिपोर्ट की गई गिनती (राज्य 14,06,578 हमारा जोड़; अरणी 58,294); गिनती बनाम परिणाम; पूछे गए पर अनुत्तरित बिंदु (भूजल पुनर्भरण, चुनौतियाँ); जन भागीदारी के साधन (जल शक्ति केंद्र, NYKS); आवश्यक सूचक (जल-स्तर, पुनर्भरण की मात्रा, संरचना की स्थिति, स्वतंत्र सत्यापन)।

निष्कर्ष में: रिपोर्ट की गई संरचनाएँ गतिविधि का पैमाना हैं, जल-संरक्षण के परिणाम का प्रमाण नहीं; जल-स्तर, पुनर्भरण की मात्रा, संरचनाओं की स्थिति और स्वतंत्र सत्यापन से अभियान का असर परखें।

स्रोत

- लोक सभा अतारांकित प्रश्न 806 और उत्तर, 23.07.2026 (संसद का आधिकारिक PDF)

स्रोत: लोक सभा अतारांकित प्रश्न 806 का आधिकारिक पाठ पूरा पढ़ा गया। JSA: CTR का पोर्टल, राज्य के दस्तावेज़ और स्वतंत्र मूल्यांकन नहीं पढ़े गए।

याद रखें: लोक सभा उत्तर के अनुसार तमिलनाडु सरकार ने जल शक्ति अभियान में चार श्रेणियों की संरचनाएँ रिपोर्ट कीं (हमारा जोड़: 14,06,578, जिनमें अरणी की 58,294), पर भूजल पुनर्भरण और जलग्रहण प्रबंधन के परिणाम का कोई आँकड़ा, और राज्यों की चुनौतियों का कोई ब्योरा उत्तर में नहीं है।